

ਾਰ ਸ਼ੀਏ (CHAPTER-7) **ਾਟਿੰ** (SHILLONG)

Writer : Dr. Lamabam Kamal)

ෆ්දුෆ්ලෆ් (SOLUTIONS)

रेंटहाण लक्ष्म

: पार्य अर्था भार्षित राम्य

ल<u>मभेटर</u> = एविद्याला निर्माण निर्माण

श्रह्म = किरोधिया

प्राञ्च = प्रजः प्राप्त देव

ौहर्द्ध प्रात्याहरू = भीतियाहरू

प्राज्यका = दें प्रश्वास

 \mathbf{x} \mathbf{z} \mathbf{z}

र्भ = प्रभू

s ॥ खा) सल्हाम, व्राल्हिलाणार्ण देव्रलेखा । एक्टिका खाका वक्त प्रध्यालाणार्षि ?

गारेज्ञ : गणिट ें <u>प्रक</u>िल्फेंख चक्क प्रस्मालीपाणीली॥

॥ भ्वतः जीवा के स्वाप्त के स्वाप्त

ट) ടന്യര उक्षेत्र क्षेत्र हिष्ण टमज्जू जाता क्षेट्र स्रोहेचर उक्षेत्र क्षेत्र हिष्ण टमज्जू कार्याण क्षेत्र हिष्ण हिष्ण क्षेत्र हिष्ण हिष

। देखा भंगा क्रम पान्त गामानित राज्या वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा

स) तम प्रतेष त्रमटेन्न खेंक, त्रांच प्रतेष्ठ व्यक्ष खेंचा खेंगालाणः?

॥ दश्चा स्ट्रां अष्ठ रेपण स्ट्रां स्ट्रां स्ट्रां

ша ша സമലീര് देश मणावशीया र राज्य गणन सम्भावणीय प्रधाय है । अ विकास सम्भावणीय प्रधाय है । अ विकास सम्भावणीय सम

आंद्र: प्रतापात प्र

ത്രാ ചെയ്യ ചുപ്പു വ്യാച്ച ചുപ്പു ചുപ്പു ചുപ്പു ചുപ്പു പുപ്പു പു

गोंक्रः लल्ल सप्ते प्रलाणि सट्राज्यका ग्राह्मान्नाका प्रस्ता एका प्रस्ति प्रलाम प्रति प्रलाण क्षेत्र क्षेत्र हेत्व स्वाहित सम्बन्ध प्रति सम्बन्ध समित्य सम्बन्ध समित्य समित्य

ट) "लञ्रभाग सरोजह ग्रा४ हर प्रसण प्राप्त हर प्राप्त हर प्राप्त हर प्राप्त हर प्राप्त हर प्राप्त हर प्राप्त प्राप्त हर प्राप्त हर प्राप्त हर प्राप्त हर प्राप्त हर प्राप्त हर प्रप्त हर प्राप्त हर हर प्राप्त हर प्त हर प्राप्त हर प्राप्त हर प्राप्त हर प्राप्त हर प्राप्त हर प्राप

गोंकः गोंभ ठेठठलिहा ग्रुम्भलमाण प्रेडिंग ग्राभे एपउण्, स्लिहा ग्राम्थियाधिण विले विले हुन्स । प्रिमेश प्रति । प्रिमेश प्रति विले हिन्स । प्रिमेश प्रति विले हिन्स । प्रिमेश प्रति विषय । प्रति विषय

ा स्वाप्त क्ष्य क्ष्या भारतम् व्याप्त हरूक्य हेन्य गणाव्याम रूप राम्याच्या भारतम् व्याप्त भारतम् व्याप्त भारतम् विष्ण 'ल' गण्डमा सम्बन्ध गणा 'स्वाप्त क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य भारतम्बन्ध व्याप्त स्वयं क्ष्य क्य क्ष्य क्य क्ष्य क्य क्ष्य क्य

!!!

ო

र्षा) रिकट ट्या<u>रि</u>गारिट

- ന) प्रथल गाप टीवा विकास सम्मन्त्र स्थाप सम्भाव स्थाप सम्भाव सम्भ
- ന) टाँ पटेंक सर्ग प्रण्डाणम प्रण्डाणी
- ट) सकता सकताश्व श्राणाल्य क्राप्तमा विशेष
- ട) ന്ന്യൂ स्प्रद्रज द्रस्य ।
- ौठष्म ठर्द्धम भाष्ठभार्षं हर्द्ध (म भाष्ठभारत्द्र
- स्था स्थाप स्थाप

गोर्स्नः ष्य) रिष्ठेष्ट टन<u>गाभ</u>गोर्स्र

- ल) स्ट्रॅंलेर्ग एविद्याटिष्ठ टेंस्क्र्ए टॅं<u>फ्रक</u>्ष
- लम्भूम गाहरीयाण मामन्त्रम्ल स्थापक स्यापक स्थापक स्यापक स्थापक स
- स्र) टिप्पटें स्वा प्र॰एडाणूम प्र॰एडाओ
- ट) सक्षण सक्षण्य अव्याधिस विश्व विश्
- **र्क्ष**) टर्स्ट टर्स्ट इत्रेस्ट ग्रारेमिडीार्ण स्टिमक र्देर्भि॥
- ीष्ठाय रद्ध्यम भाष्ठर्भाष्टिद्धर (म भिष्ठभिद्धर्द
- ट) प्यत्रं ष्यातेलं तत्रकः प्रश्नेष्ट्रत्॥

।। प्रिताण हिंदर लिक्स अलेख प्राचित हिंदर लिक्स हिंदर स्थाप अलेख प्राची से कि स्वाची से कि से से से से से से स

शिवायं मानावर्ष मानावर्ष मार्था मार्था मार्था मार्था मार्थ हार्य हार्या मार्थ हार्य हार्या मार्थ हार्य हार्य मार्थ मार्थ हार्य हार्य मार्थ मार्य मार्थ मार्य मा

न्याष्ठ केटक मात्राक्ष क्ष्मा क्ष्मा काल्य प्रत्य प्रत्

ବ॥ एलेए হ্লদ্মষ্ট (পবি ए५४४४) सहम प्रसाण हटड পা আঠছুए ग्राक्षण प्रकेष्ट्र प्राक्षण प्रकार विषय ।। ৰ

स्थार केर निर्धाम का निष्ठित है निष्ठ में मार्थिय होता है निर्ध्य मार्थिय होता है निर्ध्य मार्थिय निर्ध्य मार्थिय हे निर्ध्य मार्थिय हे निर्ध्य मार्थिय हे निर्ध्य मार्थिय हे निर्ध्य मार्थ्य मार्थ्य मिर्थ्य मार्थ्य मिर्थ्य मिर्थ मिर्थ मिर्य मिर्थ मिर्य मिर्थ मिर्थ मिर्य मिर्य मिर्थ मिर्य मिर्थ मिर्थ मिर्थ मिर्य मिर्

ः ह्यार्थर रुस्म गिगीलम् प्रोलशहर्य रोभीमा हर्सम

ਗ਼ੇੜ: ෆੀਰੈ – <u>ਗ਼</u>ਾਰ ਦੇੜਾਫ

ले-**र्षो** - **प्रा**स्ट ऐं इट

<u> खाटे</u>ल – खाट॰णाग्गा ऐल्लख

प्रताचा - स्थापार प्रमुख्य - स्थापार प्रमुख्य स्थापार स्थापा

अ॥ 'ឃឹមាឃ ឃឹថ' ភੇថែលហៅ সੇភ្យូជាឃ នੇਜਦ ឃឺថ ភិភ្នុចថា ॥ ឃក្កុកថ 'लै<u>ग्</u>याण लैंड', 'ग्रारिण्ण ग्राप्पिग्गा', 'लेणक्रोण लेण्ड', 'म्लूलिख मूंड' प्रलिएसिण्ड हेमर टैंभा ॥ प्रलिण्डिस स्रोते त्रहु प्रकृण प्रसेष्ठ मेर्जे ग्राभाव प्रसम्भन्न लिटिख्एँ॥

॥ ७०० हें जिल्ला <u>४ म॰ ए प्यायम॰ ए</u> स्वा<u>र्म्म</u> स्वास्त्र दर्व्य प्रेप – ४ म॰ प्रायाण च्यां

॥ 'ऋमीण ठाउँ । उर्गा पाधिकांग के वर्गा पाधिकांग पाधिक

लूडदर्क <u>हण आसमार्रा</u> किल्रण के किरिश्वेरम पाठक पार्म — हण आसमार्रा किल्ला किरिश्वेरम पाठक पार्म प्राप्त किल्ला किरिश्वेरम पाठक पार्म प्राप्त किल्ला किरिश्वेरम पाठक पार्म प्राप्त किल्ला किरिश्वेरम पार्म प्राप्त किरिश्वेरम पार्म प्राप्त किरिश्वेरम पार्म प्राप्त किरिश्वेरम किरिश्वेरम पार्म प्राप्त किरिश्वेरम किरिश्वेरम

॥ °ऋद*॰* क्र

<u> എന്നു നുമെ – നൂഴ്യ എന്നു എന്നു</u> ല്രംമ്പ ग्रामञ्जा
